

विन्ध्येश्वरी चालीसा in Hindi

॥ दोहा ॥

नमो नमो विन्ध्येश्वरी,
नमो नमो जगदम्ब ।
सन्तजनों के काज में,
करती नहीं विलम्ब ॥

जय जय जय विन्ध्याचल रानी ।
आदिशक्ति जगविदित भवानी ॥

सिंहवाहिनी जै जगमाता ।
जै जै जै त्रिभुवन सुखदाता ॥

कष्ट निवारण जै जगदेवी ।
जै जै सन्त असुर सुर सेवी ॥

महिमा अमित अपार तुम्हारी ।
शेष सहस मुख वर्णत हारी ॥

दीनन को दुःख हरत भवानी ।
नहिं देखो तुम सम कोउ दानी ॥

सब कर मनसा पुरवत माता ।
महिमा अमित जगत विख्याता ॥

जो जन ध्यान तुम्हारो लावै ।
सो तुरतहि वांछित फल पावै ॥

तुम्हीं वैष्णवी तुम्हीं रुद्रानी ।
तुम्हीं शारदा अरु ब्रह्मानी ॥

रमा राधिका श्यामा काली ।
तुम्हीं मातु सन्तन प्रतिपाली ॥

उमा माध्वी चण्डी ज्वाला ।
वेगि मोहि पर होहु दयाला ॥ 10

तुम्हीं हिंगलाज महारानी ।
तुम्हीं शीतला अरु विज्ञानी ॥

दुर्गा दुर्ग विनाशिनी माता ।
तुम्हीं लक्ष्मी जग सुख दाता ॥

तुम्हीं जाह्नवी अरु रुद्रानी ।
हे मावती अम्ब निर्वानी ॥

अष्टभुजी वाराहिनि देवा ।
करत विष्णु शिव जाकर सेवा ॥

चौंसट्ठी देवी कल्यानी ।
गौरि मंगला सब गुनखानी ॥

पाटन मुम्बादन्त कुमारी ।
भाद्रिकालि सुनि विनय हमारी ॥

बज्रधारिणी शोक नाशिनी ।
आयु रक्षिनी विन्ध्यवासिनी ॥

जया और विजया वैताली ।
मातु सुगन्धा अरु विकराली ॥

नाम अनन्त तुम्हारि भवानी ।
वरनै किमि मानुष अज्ञानी ॥

जापर कृपा मातु तब होई ।
जो वह करै चाहे मन जोई ॥ 20

कृपा करहु मोपर महारानी ।
सिद्ध करहु अम्बे मम बानी ॥

जो नर धरै मातु कर ध्याना ।
ताकर सदा होय कल्याना ॥

विपति ताहि सपनेहु नाहिं आवै ।
जो देवीकर जाप करावै ॥

जो नर कहँ ऋण होय अपारा ।
सो नर पाठ करै शत बारा ॥

निश्चय ऋण मोचन होई जाई ।
जो नर पाठ करै चित लाई ॥

अस्तुति जो नर पढ़े पढ़ावे ।
या जग में सो बहु सुख पावे ॥

जाको व्याधि सतावे भाई ।
जाप करत सब दूर पराई ॥

जो नर अति बन्दी महँ होई ।
बार हजार पाठ करि सोई ॥

निश्चय बन्दी ते छुट जाई ।
सत्य वचन मम मानहु भाई ॥

जापर जो कछु संकट होई ।
निश्चय देविहिं सुमिरै सोई ॥ 30

जा कहँ पुत्र होय नहिं भाई ।
सो नर या विधि करे उपाई ॥

पाँच वर्ष जो पाठ करावै ।

नौरातन महुँ विप्र जिमावै ॥

निश्चय होहिं प्रसन्न भवानी ।
पुत्र देहिं ता कहँ गुणखानी ॥

ध्वजा नारियल आन चढ़ावै ।
विधि समेत पूजन करवावै ॥

नित प्रति पाठ करै मन लाई ।
प्रेम सहित नहिं आन उपाई ॥

यह श्री विन्ध्याचल चालीसा ।
रंक पढ़त होवे अवनीसा ॥

यह जन अचरज मानहु भाई ।
कृपा दृष्टि जापर होइ जाई ॥

जै जै जै जग मातृ भवानी ।
कृपा करहु मोहि निज जन जानी ॥ 40

Vindhyeshvari Chalisa in English

|| Doha ||

Namo Namu Vindhyeshwari,
Namo Namu Jagadamba.
Santjanon ke kaaj mein,
Karti nahin vilamb.

Jai Jai Jai Vindhyachal Rani,
Adishakti Jagvidit Bhavani.

Sinhvahini Jai Jagmata,
Jai Jai Jai Tribhuvan Sukhdatha.

Kasht Nivaran Jai Jagdevi,
Jai Jai Sant Asur Sur Sevi.

Mahima Amit Apar Tumhari,
Shesh Sahas Mukha Varnat Haari.

Deenan ko Dukh Harat Bhavani,
Nahin Dekho Tum Sam Kou Dani.

Sab Kar Mansa Purvat Mata,
Mahima Amit Jagat Vikhyata.

Jo Jan Dhyan Tumharo Lavai,
So Turatahi Vanchhit Phal Pavai.

Tumhi Vaishnavi Tumhi Rudrani,
Tumhi Sharada Aru Brahmani.

Rama Radhika Shyama Kali,
Tumhi Matu Santan Pratipali.

Uma Madhvi Chandi Jwala,
Veg Mohi Par Hohu Dayala.

**Tumhi Hinglaj Maharani,
Tumhi Sheetla Aru Vijnani.**

**Durga Durg Vinashini Mata,
Tumhi Lakshmi Jag Sukh Data.**

**Tumhi Jahanvi Aru Rudrani,
He Mavati Amb Nirvani.**

**Ashtabhuji Varahini Deva,
Karat Vishnu Shiv Jakar Seva.**

**Chaunsathhi Devi Kalyani,
Gauri Mangla Sab Gunakhani.**

**Patan Mumbadant Kumari,
Bhadrikali Suni Vinay Hamari.**

**Bajradharani Shok Nashini,
Aayu Rakshini Vindhyavasini.**

**Jaya Aur Vijaya Vaitali,
Matu Sugandha Aru Vikrali.**

**Naam Anant Tumhari Bhavani,
Varnai Kimi Manush Agyani.**

**Japar Kripa Matu Tab Hoi,
Jo Vah Karai Chahe Man Joi.**

**Kripa Karahu Moper Maharani,
Siddh Karahu Ambe Mam Bani.**

**Jo Nar Dharai Matu Kar Dhyan,
Takar Sada Hoy Kalyan.**

**Vipati Tahi Sapnehu Nahin Aavai,
Jo Devikar Jaap Karavai.**

**Jo Nar Kah Rinn Hoy Apar,
So Nar Path Karai Shat Bar.**

**Nishchay Rinn Mochan Hoi Jai,
Jo Nar Path Karai Chit Lai.**

**Astuti Jo Nar Padhe Padhaave,
Ya Jag Mein So Bahu Sukh Paave.**

**Jako Vyadhi Satave Bhai,
Jaap Karat Sab Door Paraai.**

**Jo Nar Ati Bandi Mein Hoi,
Bar Hazar Path Kari Soi.**

**Nishchay Bandi Te Chhut Jai,
Satya Vachan Mam Manhu Bhai.**

**Japar Jo Kachhu Sankat Hoi,
Nishchay Devihin Sumirai Soi.**

**Ja Kah Puttar Hoi Nahin Bhai,
So Nar Ya Vidhi Kare Upai.**

**Panch Varsh Jo Path Karavai,
Nauratan Mein Vipr Jimavai.**

**Nishchay Hohin Prasann Bhavani,
Puttar Dehin Ta Kah Gunakhani.**

**Dhvaja Nariyal Aan Chadavai,
Vidhi Samet Poojan Karavaai.**

**Nit Prati Path Karai Man Lai,
Prem Sahit Nahin Aan Upai.**

**Yah Shri Vindhyachal Chalisa,
Rank Padat Hove Avanisa.**

**Yah Jan Acharaj Manhu Bhai,
Kripa Drishti Japar Hoi Jai.**

**Jai Jai Jai Jag Matu Bhavani,
Kripa Karahu Mohi Nij Jan Jani.**